बुधवार, 14 जुलाई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

सबसे सफल भारतीय कप्तान हरमनप्रीत इंग्लैंड पर महिला टीम की ऐतिहासिक जीत

Page-04

# भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'धमाल 4' Vs 'वेलकम 3' के बीच फंसी 'अल्फा'

Page-05

**सभी की नजर अब अमेरिकी संसद में इस विधेयक की आगे की प्रक्रिया पर टिकी हुई है। यदि यह कानून बनता है, तो इसका असर केवल भारत ही नहीं बल्कि उन सभी देशों पर पड़ सकता है, जो आज भी रूस से ऊर्जा आयात कर रहे हैं।**

# रूस से तेल खरीद पर अमेरिका का नया दांव

## 500% टैरिफ की चर्चा से भारत की बढ़ी चिंता

भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं, लेकिन रूस से कच्चे तेल की खरीद एक बार फिर दोनों देशों के बीच तनाव का कारण बन सकती है। अमेरिका में रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से एक नए विधेयक पर चर्चा चल रही है। इस प्रस्ताव के तहत उन देशों पर भारी आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने की बात कही गई है, जो रूस से तेल और अन्य ऊर्जा उत्पादों की खरीद जारी रखते हैं। शुरुआती मसौदे में 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का सुझाव सामने आने के बाद भारत सहित कई देशों की चिंता बढ़ गई है।रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे। इसके बावजूद भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रियायती दरों पर रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखी। इससे भारत को आयात लागत कम करने और घरेलू ईंधन कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद मिली। पिछले कुछ वर्षों में रूस भारत के सबसे बड़े तेल आपूर्तिकर्ताओं में शामिल हो गया है।अमेरिका के कुछ सांसदों का तर्क है कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ाकर मॉस्को की आय को कम किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से नया विधेयक तैयार किया गया है। हालांकि यह अभी केवल प्रस्ताव के स्तर पर है और इसे अमेरिकी संसद से मंजूरी मिलना बाकी है। इसके अंतिम स्वरूप में बदलाव भी संभव है, इसलिए फिलहाल इसे लागू कानून नहीं माना जा सकता।यदि भविष्य में यह प्रस्ताव कानून का रूप लेता है, तो भारत जैसे देशों के सामने व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि भारत अपनी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय करता है और किसी भी निर्णय में देश की आर्थिक आवश्यकताओं को प्राथमिकता देता है। फिलहाल नई दिल्ली की ओर से इस प्रस्ताव पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। सभी की नजर अब अमेरिकी संसद में इस विधेयक की आगे की प्रक्रिया पर टिकी हुई है। यदि यह कानून बनता है, तो इसका असर केवल भारत ही नहीं बल्कि उन सभी देशों पर पड़ सकता है, जो आज भी रूस से ऊर्जा आयात कर रहे हैं।

- **अमेरिका के कुछ सांसदों का तर्क है कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ाकर मॉस्को की आय को कम किया जा सकता है।**
- **यदि भविष्य में यह प्रस्ताव कानून का रूप लेता है, तो भारत जैसे देशों के सामने व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।**

## बद्रीनाथ धाम दान चोरी मामला: मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल गिरफ्तार,पुलिस कर रही गहन पूछताछ

उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में मंदिर के दान और चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से जांच के दायरे में रहे मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल को चमोली पुलिस ने देहरादून स्थित उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसे तत्काल बद्रीनाथ ले गई, जहां मामले की विस्तृत पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई को जांच की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार, प्रमोद नौटियाल पहले बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (BKTC) के तत्कालीन अध्यक्ष का निजी सहायक रह चुका है। इसी वजह से उसे मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था और दान संग्रह की प्रक्रिया की गहरी जानकारी थी। जांच एजेंसियों को संदेह है कि इसी जानकारी का फायदा उठाकर कथित तौर पर दान से जुड़ी अनियमितताओं को अंजाम दिया गया। हालांकि, पुलिस ने अभी तक किसी भी राशि या अन्य आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। जांच अधिकारी आरोपी से यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि कथित हेराफेरी कैसे हुई, इसमें और कौन-कौन लोग शामिल थे तथा दान की राशि का उपयोग किस प्रकार किया गया। पुलिस डिजिटल रिकॉर्ड, बैंक लेनदेन और अन्य दस्तावेजों की भी जांच कर रही है ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाई जा सके। अधिकारियों का कहना है कि यदि पूछताछ के दौरान नए नाम सामने आते हैं तो उनके खिलाफ भी आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की योजना आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड की मांग करने की है ताकि उससे और विस्तार से पूछताछ की जा सके। दूसरी ओर, मंदिर समिति ने भी जांच में पूरा सहयोग देने की बात कही है और कहा है कि श्रद्धालुओं के विश्वास से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होने दिया जाएगा।

## बैंकॉक पब अग्निकांड: शॉर्ट सर्किट से मची तबाही 27 लोगों की मौत,कई गंभीर रूप से घायल

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में सोमवार तड़के एक भीषण अग्निकांड ने खुशियों से भरी रात को मातम में बदल दिया। शहर के लोकप्रिय 'ना लादप्राओ' पब में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जांच के अनुसार, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, जिसके बाद कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे पब को अपनी चपेट में ले लिया। इस दर्दनाक हादसे में 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए और उनका अस्पतालों में इलाज जारी है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के समय पब में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। जैसे ही आग फैली, मुख्य प्रवेश द्वार की ओर भगदड़ मच गई। घना धुआं और तेज लपटों के कारण कई लोग बाहर निकलने में सफल नहीं हो सके। कुछ लोग जान बचाने के लिए पब के पिछले हिस्से में स्थित बाथरूम की ओर भागे, लेकिन धुएं के कारण वे वहीं फंस गए। बचाव दल को बाद में बाथरूम के भीतर कई शव मिले, जिससे हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और राहत दल मौके पर पहुंचे। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इसके बाद बचावकर्मियों ने इमारत के भीतर फंसे लोगों को बाहर निकालने का अभियान चलाया। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत अब भी गंभीर बताई जा रही है। प्रशासन ने मृतकों की पहचान और उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

## IMD का बड़ा अलर्ट: 18 राज्यों में भारी बारिश

देश के कई हिस्सों में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है और मौसम विभाग ने आने वाले दिनों को लेकर बड़ा अलर्ट जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, सोमवार से अगले चार दिनों तक उत्तर, पूर्व, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के अनेक राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। विभाग ने कुल 18 राज्यों के लिए चेतावनी जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के कुछ हिस्सों सहित कई राज्यों में तेज बारिश के साथ आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं पूर्वोत्तर राज्यों और पहाड़ी इलाकों में अत्यधिक वर्षा के कारण भूस्खलन और अचानक बाढ़ जैसी स्थितियां भी बन सकती हैं। निचले इलाकों में जलभराव और यातायात प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी और मानसूनी ट्रफ की सक्रियता के कारण वर्षा की गतिविधियों में तेजी आई है। इसका असर आने वाले दिनों में उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भी दिखाई देगा। कई शहरों में पहले से जलभराव की समस्या बनी हुई है, ऐसे में लगातार बारिश से लोगों की परेशानी बढ़ सकती है। प्रशासन ने आपदा प्रबंधन दलों को भी अलर्ट पर रखा है।

## दिल्ली में SIR अभियान तेज: 93 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं तक पहुंचे फॉर्म

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने के लिए चुनाव आयोग का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) तेजी से आगे बढ़ रहा है। चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस अभियान के तहत अब तक दिल्ली के 93 प्रतिशत से अधिक पंजीकृत मतदाताओं तक एन्यूमरेशन फॉर्म पहुंचाए जा चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि अभियान निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने के लिए बूथ स्तर के अधिकारी लगातार घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे हैं।दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, 12 जुलाई तक 1.35 करोड़ से अधिक एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। राजधानी में कुल पंजीकृत मतदाताओं की संख्या लगभग 1.45 करोड़ है। चुनाव आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची में केवल पात्र मतदाताओं के नाम ही शामिल रहें और जिन लोगों का पता बदल चुका है, जिनका निधन हो चुका है या जिनके रिकॉर्ड में त्रुटियां हैं, उन्हें समय रहते ठीक किया जा सके।इस अभियान के दौरान मतदाताओं से उनके नाम, पते और अन्य आवश्यक जानकारियों का सत्यापन कराया जा रहा है। यदि किसी मतदाता की जानकारी में बदलाव हुआ है तो वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसे अपडेट भी कर सकता है। आयोग का कहना है कि पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदाता सूची निष्पक्ष चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण शर्त है, इसलिए इस प्रक्रिया को पूरी सावधानी से पूरा किया जा रहा है।चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्राप्त दावों और आपत्तियों की जांच की जाएगी। इसके बाद सभी आवश्यक संशोधन किए जाएंगे और 7 अक्टूबर को दिल्ली की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

## सुप्रीम कोर्ट की पहल: ज्ञानवापी, मथुरा और संभल विवादों के समाधान के लिए स्पेशल लोक अदालत का रास्ता

देश के तीन सबसे चर्चित धार्मिक विवादों—वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर, मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद और संभल के जामा मस्जिद-हरिहर मंदिर मामले—को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। शीर्ष अदालत ने इन मामलों के समाधान के लिए बातचीत और आपसी सहमति का रास्ता अपनाने पर जोर देते हुए इन्हें विशेष लोक अदालत (स्पेशल लोक अदालत) की प्रक्रिया में भेजने का निर्णय लिया है। अदालत का मानना है कि वर्षों से लंबित इन संवेदनशील मामलों का समाधान यदि संवाद और सहमति से निकलता है, तो यह समाज में सौहार्द और विश्वास को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम होगा।सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार, 21 से 23 अगस्त के बीच "समाधान समारोह" नाम से विशेष सुलह प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। इस दौरान संबंधित पक्षों को एक मंच पर बैठाकर बातचीत के माध्यम से विवाद का हल निकालने का प्रयास किया जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह स्वैच्छिक होगी और इसमें भाग लेने वाले सभी पक्षों को अपनी बात रखने का समान अवसर मिलेगा। यदि बातचीत से समाधान निकलता है तो इससे वर्षों से चल रहे मुकदमों का शांतिपूर्ण अंत संभव हो सकता है।ज्ञानवापी, मथुरा और संभल से जुड़े मामले लंबे समय से न्यायालयों में विचाराधीन हैं और समय-समय पर इन पर कानूनी तथा राजनीतिक बहस भी होती रही है। ऐसे मामलों में अदालतों के सामने कानून के साथ-साथ सामाजिक संवेदनशीलता बनाए रखने की भी चुनौती रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने वैकल्पिक विवाद समाधान की प्रक्रिया को प्राथमिकता देने की बात कही है।

# नेपाल में सरकार के खिलाफ बढ़ा जनाक्रोश बेदखली और पुलिस कार्रवाई पर सड़कों पर उतरे लोग

**नेपाल की मुख्य विपक्षी पार्टी ने रविवार को बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार पर आरोप लगाया कि वह आम नागरिकों के कल्याण के बजाय सोशल मीडिया पर लोकप्रियता को प्राथमिकता दे रही है।**

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

नेपाल में एक बार फिर जनता सड़कों पर आ चुकी है। कुछ महीने पहले चुनी गई बालेन शाह की अगुआई वाली सरकार का लोग विरोध कर रहे हैं। नेपाल में मार्च के महीने में चुनाव हुए थे, जिनमें बालेन शाह को प्रचंड बहुमत मिला था, लेकिन अब जनता उनके खिलाफ हो गई है। इसकी सबसे बड़ी वजह प्रशासन का सख्त रवैया है। नेपाल में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। इस वजह से गरीबों और बेघर लोगों को परेशानी हो रही है। इसी वजह से जनता प्रदर्शन कर रही है।12 जुलाई को सरकार द्वारा भूमिहीन झुग्गीवासियों के लिए वैकल्पिक पुनर्वास की व्यवस्था किए बिना उन्हें हटाए जाने के फैसले के विरोध में सैकड़ों लोगों ने रविवार को प्रदर्शन किया। संयुक्त राष्ट्रीय भूमिहीन मोर्चा के आह्वान पर आयोजित यह प्रदर्शन काठमांडू में सिंहदरबार सचिवालय के सामने स्थित मैतीघर मंडला में हुआ। प्रदर्शनकारियों ने "गरीबों पर अत्याचार बंद करो", "मानवाधिकारों का सम्मान करो", "अवैध गिरफ्तारियां बंद करो" और "भूमिहीन झुग्गीवासियों को आश्रय दो" जैसे नारे लिखी तख्तियां हाथों में ले रखी थीं। काठमांडू के कीर्तिपुर स्थित सरकार के एक अस्थायी आवास केंद्र में शुक्रवार रात आई बाढ़ से पानी भर गया। इसके बाद सुरक्षाबलों की मदद से वहां रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। वहां करीब 150 भूमिहीन झुग्गीवासी रह रहे थे। घटना की जानकारी लेने के लिए 'जेन जेड' से जुड़े युवा कार्यकर्ता शनिवार को वहां पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उनपर लाठीचार्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान एक कार्यकर्ता के चेहरे पर चोट लगी, जिसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष गगन कुमार थापा ने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की आलोचना करते हुए पुलिस कार्रवाई पर आपत्ति जताई और गिरफ्तार लोगों को तत्काल रिहा करने की मांग की। कोशी प्रांत में मोरांग जिला पुलिस कार्यालय के मुख्य द्वार पर 'जेन जेड' कार्यकर्ताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में धरना दे रहे 26 लोगों को भी पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले, अप्रैल में सरकार ने काठमांडू घाटी सहित देश के विभिन्न हिस्सों में भूमिहीन लोगों की झुग्गियां और अन्य अस्थायी ढांचे हटाकर उन्हें बेदखल कर दिया था। इस कार्रवाई से 2,600 परिवारों के 15,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए थे। इनमें से 325 परिवार काठमांडू के विभिन्न हिस्सों में बनाए गए अस्थायी आवास केंद्रों में रह रहे थे। सरकार ने दो जुलाई को भूमिहीन झुग्गीवासियों को छह जुलाई तक इन अस्थायी आवास केंद्रों को खाली करने का निर्देश दिया था। हालांकि, गुरुवार तक 60 से अधिक परिवार वहां रह रहे थे। काठमांडू में पासपोर्ट विभाग के कार्यालय के सामने गुरुवार को 25 वर्षीय व्यक्ति ने आत्मदाह कर लिया। पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल का पहिया लॉक कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि इस व्यक्ति की पहचान गणेश नेपाली के रूप में हुई है, जो अपनी आजीविका के लिए 'राइड-शेयरिंग' का काम करता था। 'राइड-शेयरिंग' एक परिवहन व्यवस्था है, जहां लोग अपने वाहन की खाली सीटों को अन्य यात्रियों के साथ साझा करते हैं। सूत्रों ने बताया कि पुलिस के साथ बहस के बाद, उसने अचानक अपनी बाइक से पेट्रोल निकाला और खुद को आग लगा ली। पुलिस ने बीच-बचाव किया और आग बुझाने की कोशिश की। हालांकि, वह बुरी तरह झुलस गया। काठमांडू मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एक कर्मचारी के अनुसार, उन्हें बीर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि वह लगभग 50 प्रतिशत जल गए थे।

## अमेरिका एक बार फिर ईरान के कई ठिकानों पर भीषण बमबारी कर रहा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान पर अमेरिका भीषण बमबारी कर रहा है। ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, सोमवार दोपहर को हुए ताज़ा हमलों में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं। इससे पहले रविवार को भी अमेरिकी सेना ने ईरान पर बमबारी कर कई ठिकानों को निशाना बनाया था। ईरान की सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी 'तसनीम' ने खुज़ेस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर के हवाले से बताया कि स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 1:45 बजे दक्षिण-पश्चिम ईरान के अबादान शहर में तीन अलग-अलग स्थानों को निशाना बनाया गया। इस हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा एक अन्य न्यूज एजेंसी 'मेहर' के मुताबिक, दोपहर के समय दक्षिणी ईरान के तटीय शहर बंदर अब्बास और क़ेश्म द्वीप के पास भी तेज धमाकों की आवाजें सुनी गईं। डिफेंस एक्सपर्ट्स की मानें तो शुरुआती हमलों के बाद अब अमेरिकी हमले का दायरा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के तटीय इलाकों से आगे बढ़कर ईरान के अंदरूनी हिस्सों तक फैल गया है। इस भीषण सैन्य टकराव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच चल रही राजनयिक बातचीत पूरी तरह से पटरी से उतरती दिख रही है। ईरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका इन हमलों के जरिए ओमान के साथ चल रही शांति वार्ता को कमजोर कर रहा है, जिसका उद्देश्य स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करना था। दरअसल, दोनों देशों के बीच 60 दिनों के भीतर एक समझौता करने की समय-सीमा तय की गई थी, लेकिन इससे पहले कि समझौता होता दोनों देशों के बीच भीषण तनाव पैदा हो गया है

## ऋषिकेश-भानियावाला चार लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राजाजी राष्ट्रीय उद्यान के संवेदनशील हाथी गलियारे में प्रस्तावित ऋषिकेश-भानियावाला चार लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। सोमवार को भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच सात मोड़ क्षेत्र में पेड़ों की कटाई का कार्य शुरू किया गया। इस चौड़ीकरण परियोजना के अंतर्गत कुल 3,000 पेड़ों को काटने की योजना है, जिसका पर्यावरणविद, सामाजिक कार्यकर्ता और छात्र पिछले कई दिनों से विरोध कर रहे हैं। पेड़ों को बचाने के लिए प्रदर्शनकारियों ने दशकों पहले गौरा देवी के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक चिपको आंदोलन की राह चुनी और वे पेड़ों से चिपक गए। हालांकि, मौके पर मौजूद पुलिस ने बलपूर्वक प्रदर्शनकारियों को हटाकर वाहनों में बैठाया और वहां से ले गई। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी भावुक हो गए और उन्होंने सरकार पर विकास के नाम पर प्राकृतिक धरोहर का कत्ल करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में शामिल स्थानीय नागरिक बीना वर्मा ने दुख जताते हुए कहा कि विकास के नाम पर इस प्राकृतिक संपदा को नष्ट करना उचित नहीं है। उन्होंने चिंता जताई कि अगर इसी तरह हरे-भरे जंगल काटे गए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए यह केवल एक कहानी बनकर रह जाएगा। पर्यावरणविदों का भी यही तर्क है कि हाथियों के इस महत्वपूर्ण गलियारे में पेड़ों के कटने से न केवल वन्यजीवों का आवास छीनेगा, बल्कि मानव-वन्यजीव संघर्ष भी बढ़ेगा। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई से मिट्टी के कटाव और भूजल स्तर पर भी बुरा असर पड़ेगा। प्रख्यात पर्यावरणविद अनूप नौटियाल ने इसे विडंबना बताया कि एक तरफ पौधारोपण के बड़े-बड़े आह्वान किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर पुराने जंगलों को काटा जा रहा है। विशेषज्ञों ने सरकार से मांग की है कि वह जंगलों को न्यूनतम क्षति पहुंचाने के लिए वैकल्पिक मार्गों या आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों पर विचार करे। वहीं, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इस परियोजना का बचाव किया है। एनएचएआई के देहरादून परियोजना निदेशक सौरभ सिंह ने स्पष्ट किया कि सड़क का डिजाइन तैयार करते समय पर्यावरण और वन्यजीवों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि डब्लूडब्लूएफ-इंडिया और भारतीय वन्यजीव संस्थान के सुझावों पर हाथियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए अंडरपास और पुलिया जैसी वैज्ञानिक संरचनाएं बनाई जा रही हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

## पाकिस्तान की सरकार और सेना के लिए मुश्किल लगातार बढ़ी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने पाकिस्तान के एक बार फिर टूटने का संकेत किया है। उन्होंने दावा किया है कि हमारे इलाके में एक नया देश बनने के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। सोमवार को सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया है और सोशल यूजर्स से पूछा है कि आप दक्षिण एशिया में बनने वाले नए देश का नाम बताइए। उनके कुछ और ट्वीट से संकेत मिलता है कि वह शायद बलूचिस्तान में किसी हलचल का संकेत कर रहे हैं। एक्सपर्ट ने कहा है कि सालेह पश्तूनिस्तान या बलूचिस्तान की बात कर रहे हैं। अमरुल्लाह सालेह अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी से पहले सरकार का हिस्सा थे। तालिबान के सत्ता पर कब्जे के बाद उन्होंने काबुल छोड़ दिया था। उनको तालिबान का दुश्मन माना जाता है तो पाकिस्तानी सेना पर भी वह बेहद आक्रामक रहे हैं। उन्होंने बीते हफ्ते ही बलूचिस्तान में हुए हमले के बाद पाकिस्तानी सेना और काबुल पर सवाल किया था। इस महीने वह कई दफा बलूचिस्तान में हिंसा पर बात कर चुके हैं। बलूचिस्तान के लोगों का पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ संघर्ष कई दशक पुराना है लेकिन हालिया महीनों में यह काफी तेज हुआ है। बलूचिस्तान में एक तरफ हथियारबंद गुटों ने पाकिस्तान सेना को निशाना बनाया है तो वहीं स्थानीय संगठनों ने लगातार सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन किया है। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना ताकत के दम पर आंदोलन को दबाती रही है। हालिया दिनों में भी लगातार ऑपरेशन किए गए हैं। इसके बावजूद कई रिपोर्ट बताती हैं कि क्षेत्र के कई हिस्से पाकिस्तान के कंट्रोल से निकल चुके हैं और उनको स्थानीय गुट चला रहे हैं। सरकारी इमारतों तक पर विद्रोही गुटों ने कब्जे किए हैं।

## स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बड़ा बयान अमेरिका होर्मुज पर कब्जा कर लेगा सुरक्षा अपने हाथ में ले लेगा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका होर्मुज पर कब्जा कर लेगा और उसकी सुरक्षा अपने हाथ में ले लेगा। ट्रंप ने कहा इसके बदले सहयोगी देशों से भुगतान भी लिया जाना चाहिए। ईरान ने होर्मुज में अमेरिकी सैन्य दखल पर चेतावनी दी है। वहीं ईरान ने जॉर्डन, बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले का भी दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि हम होर्मुज को अपने नियंत्रण में रखेंगे और संभव है कि इसका संचालन भी करें। हम इस होर्मुज के संरक्षक बनेंगे। शायद हम खुद को गार्डियन एंजेल ऑफ द स्ट्रेट कहें। इसके बदले हमें काफी पैसा मिलना चाहिए। इसके बाद उन्होंने कहा कि इसकी भरपाई की जानी चाहिए, क्योंकि दूसरे देश बहुत अमीर हैं। वे हमारे साथ हैं और हमसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि हम यह सब मुफ्त में करें।

ईरान के साथ बातचीत पर ट्रंप ने कहा कि हमारी एक डील हुई थी। यह पक्की डील थी, लेकिन फिर उन्होंने इसे तोड़ दिया। वे हमेशा ऐसा ही करते हैं।इन लोगों के साथ हमारी 10 बार डील हो चुकी है, इसलिए अब हम उन पर कड़ी कार्रवाई करने जा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान ने एक और बड़ा दावा किया है। ईरान की IRGC के मुताबिक उसने आई फॉर एन आई ऑपरेशन नाम से तीन चरणों में मिसाइल और ड्रोन अभियान चलाया। ईरान का दावा है कि इस अभियान में जॉर्डन, बहरीन और कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान की सरकारी नूर न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस अभियान में पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम, ईंधन टैंक और कुवैत के दो एयरबेस पर मौजूद रणनीतिक FPS रडार सिस्टम को नष्ट कर दिया गया। एजेंसी ने एक ईरानी सैन्य अधिकारी के हवाले से कहा कि पिछले 48 घंटे से नजर रखने के बाद इन ठिकानों को निशाना बनाया गया।

## संपादक की कलम से

देश की अर्थव्यवस्था विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है। आधारभूत ढांचे का विस्तार हो रहा है, निवेश बढ़ रहा है और भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। इसके बावजूद आम नागरिक के सामने सबसे बड़ी चिंता महंगाई बनी हुई है। खाद्य पदार्थों से लेकर रसोई गैस, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन तक, जीवन की लगभग हर आवश्यक वस्तु की कीमत में वृद्धि ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों के बजट पर दबाव बढ़ा दिया है। हाल ही में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने एक बार फिर महंगाई के मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। रसोई गैस केवल एक ईंधन नहीं, बल्कि हर परिवार की दैनिक जरूरत है। इसकी कीमत बढ़ने का सीधा असर घरेलू बजट पर पड़ता है। विशेष रूप से निम्न आय वर्ग और सीमित आय वाले परिवारों के लिए ऐसी बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन जाती है।महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है जिनकी आय स्थिर रहती है। सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छोटे व्यापारी और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक अक्सर बढ़ती कीमतों के अनुपात में अपनी आय नहीं बढ़ा पाते। परिणामस्वरूप उनकी बचत घटती है और जीवन स्तर प्रभावित होता है। कई परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है।वैश्विक परिस्थितियां भी महंगाई को प्रभावित करती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और प्राकृतिक आपदाएं कीमतों को बढ़ाने में भूमिका निभाती हैं। भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था इन वैश्विक प्रभावों से पूरी तरह अछूती नहीं रह सकती। फिर भी सरकार और नीति-निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि वे आम जनता पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाएं।महंगाई पर नियंत्रण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। उत्पादन बढ़ाने, आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने, जमाखोरी पर रोक लगाने और कृषि क्षेत्र को अधिक सक्षम बनाने की भी आवश्यकता है। साथ ही, वित्तीय अनुशासन और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना होगा। महंगाई किसी भी अर्थव्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा हो सकती है, लेकिन जब यह आम नागरिक की बुनियादी जरूरतों को प्रभावित करने लगे, तब चिंता स्वाभाविक है। विकास का वास्तविक अर्थ तभी है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और नागरिकों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिले। इसलिए आर्थिक विकास और मूल्य स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी नीति चुनौती है। एक मजबूत अर्थव्यवस्था का लक्ष्य केवल आंकड़ों में वृद्धि नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

# लाडकी बहिन योजना से नाम हटाने पर सियासत अरविंद सावंत ने सरकार पर साधा निशाना

**महाराष्ट्र की 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' से ई-केवाईसी सत्यापन के बाद लाखों महिलाओं के नाम हटाए जाने पर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने इसे संविधान का उल्लंघन बताते हुए सरकार के फैसले और वित्तीय प्रबंधन पर सवाल उठाए।**

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

शिवसेना (UBT) के सांसद अरविंद सावंत ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने 'माझी लड़की बहिन योजना' से 90 लाख लाभार्थियों को कथित तौर पर हटाने के कदम को "संविधान का घोर उल्लंघन" बताया और सरकारी फंड के मैनेजमेंट पर सवाल उठाए। पत्रकारों से बात करते हुए सावंत ने कहा कि जिन महिलाओं के नाम इस स्कीम से हटाए गए, उनमें से कई ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में सत्ताधारी गठबंधन का समर्थन किया था। सावंत ने कहा कि इस स्कीम से लाखों महिलाओं के नाम हटा दिए गए। ये वही महिलाएं थीं जो इस लालच में आकर मौजूदा सरकार को सत्ता में ले आईं; और सिर्फ़ महिलाओं ने ही वोट नहीं दिया, बल्कि उनके परिवारों ने भी वोट दिया। अब सरकार क्या करने जा रही है? उन्होंने नाम हटा दिए हैं। नतीजा हमें भुगतना पड़ रहा है। यह जनता का पैसा है। सावंत ने आगे कहा कि यह हटाना संवैधानिक नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह संविधान का गंभीर उल्लंघन है, और इसीलिए मैं इस सरकार के कामों पर गंभीर सवाल उठाना चाहता हूँ। हालाँकि विधानसभा का सत्र खत्म हो चुका है, फिर भी CAG की रिपोर्ट कई मुद्दों की ओर इशारा करती है। कर्ज का बोझ बहुत ज़्यादा है; यह राज्य के राजस्व के 100 प्रतिशत से भी ज़्यादा होने वाला है। उन्होंने हमारी राज्य सरकार के लिए ऐसी ही गंभीर स्थिति पैदा कर दी है। महिला एवं बाल विकास विभाग और महाराष्ट्र सरकार द्वारा शुरू की गई 'माझी लड़की बहिन योजना' राज्य भर की पात्र महिलाओं को आर्थिक सहायता देती है। इस योजना के तहत, 21 से 65 वर्ष की आयु की महिलाओं को सीधे उनके खाते में 1,500 रुपये दिए जाते हैं। इसका मकसद महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार करना और परिवारों में निर्णय लेने की उनकी भूमिका को बढ़ाना है। महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने जानकारी दी है कि कई महीनों तक चली ई-केवाईसी सत्यापन प्रक्रिया के बाद राज्य सरकार की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना से करीब 81 लाख पंजीकृत लाभार्थियों के नाम हटा दिए गए हैं। मंत्री ने मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए स्पष्ट किया कि अपात्र लाभार्थियों, आयकर दाताओं और सरकारी कर्मचारियों के परिवारों को व्यवस्थित तरीके से हटाने के लिए यह सत्यापन प्रक्रिया अनिवार्य थी। अदिति तटकरे ने योजना के आंकड़ों का विवरण देते हुए बताया कि शुरूआत में 2.63 करोड़ लोगों ने इसके लिए पंजीकरण कराया था, जिनमें से 2.47 करोड़ महिलाएं लाभार्थी बनीं और उन्हें मासिक आर्थिक सहायता दी गई। हालांकि, जब विभाग ने सत्यापन प्रक्रिया शुरू की, तो यह संख्या कम होने लगी। उन्होंने बताया कि लगभग 62 लाख महिलाओं ने समय सीमा बढ़ाए जाने के बावजूद ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी नहीं की, जिसके कारण उन्हें योजना से बाहर करना पड़ा।

# सुनेत्रा पवार नीत एनसीपी गुट में अंदरूनी कलह

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को लेकर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। एक ओर शरद पवार की एनसीपी (एसपी) के भाजपा नीत महायुति में शामिल होने की चर्चा जोरों पर है, दूसरी ओर सुनेत्रा पवार नीत एनसीपी गुट में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नियुक्ति को अब पार्टी के भीतर से ही कानूनी चुनौती मिल गई है। एनसीपी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय सचिव सच्चिदानंद सिंह ने वकील के माध्यम से नोटिस भेजकर उनकी नियुक्ति पर सवाल उठाए हैं और राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव दोबारा कराने की मांग की है। अजित पवार के निधन के बाद पार्टी में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर चर्चा तेज हो गई थी। शुरूआत में प्रफुल पटेल का नाम सामने आया था, लेकिन 26 फरवरी को आयोजित एनसीपी की आम सभा में प्रफुल पटेल ने ही सुनेत्रा पवार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई थी। इसके बाद सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री पद के साथ-साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी सौंपी गई।अब इसी नियुक्ति पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सच्चिदानंद सिंह ने आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने पिछले हफ्ते सुनेत्रा पवार, कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल और पार्टी सचिव बृजमोहन श्रीवास्तव को लीगल नोटिस भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि 26 फरवरी को हुई राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया वैध नहीं थी, इसलिए उसे रद्द कर राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव दोबारा निष्पक्ष तरीके से कराया जाए।नोटिस में यह भी मांग की गई है कि जब तक नए सिरे से चुनाव नहीं हो जाता, तब तक राष्ट्रीय अध्यक्ष और संशोधित पदाधिकारियों की सूची को भी अमान्य माना जाए। इस घटनाक्रम ने एनसीपी (अजित पवार गुट) में एक बार फिर अंदरूनी असंतोष की चर्चाओं को हवा दे दी है। हालांकि, इस नोटिस पर पार्टी नेतृत्व की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। गौरतलब हो कि तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख अजित पवार की 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती हवाई पट्टी के पास एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उनकी मृत्यु के चार दिन बाद 31 जनवरी को सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और 26 फरवरी को उन्हें एनसीपी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया।

# भूपेश बघेल ने लगाया आरोप
# एक तरफ़ वोटों की चोरी ,दूसरी तरफ़ "जनता से मिले दान की चोरी"

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने सोमवार को आरोप लगाया कि BJP और RSS एक तरफ़ वोटों की चोरी कर रहे हैं और दूसरी तरफ़ "जनता से मिले दान की चोरी" कर रहे हैं। उनके ये बयान राम मंदिर के लिए मिले दान की चोरी के आरोपों के बीच आए हैं। उन्होंने यहाँ पत्रकारों से कहा, "हमारे नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने अयोध्या राम तीर्थ क्षेत्र के लिए मिले दान और चढ़ावे की चोरी के मामले में स्थगन प्रस्ताव पेश किया था। आपको 'रामशिला पूजा' कार्यक्रम याद होंगे; BJP और RSS के सदस्यों ने देश भर के गाँवों का दौरा किया और करोड़ों रुपये इकट्ठा किए। आज तक उस पैसे का कोई हिसाब-किताब नहीं दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जब राम मंदिर का निर्माण शुरू हुआ, तो लोगों ने फिर से दान दिया। छत्तीसगढ़ के लाखों लोगों ने करोड़ों रुपये का दान दिया; हालाँकि, निर्माण कार्य को लेकर शिकायतें सामने आई हैं, खासकर यह आरोप कि 40% कमीशन लिया गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने भी राम मंदिर के निर्माण में योगदान दिया था। सदन में मुझसे पूछा गया कि क्या मैंने, यानी भूपेश बघेल ने भी दान दिया है। मैंने जवाब दिया, हाँ, मैंने दिया था और वह रकम 1,21,000 रुपये थी। मेरी तरह ही लाखों लोगों ने निर्माण में योगदान दिया... इसीलिए हम सदन में इस पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। बीजेपी, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद भगवान राम को भी नहीं बख्श रहे हैं; वे एक तरफ़ वोटों की चोरी कर रहे हैं तो दूसरी तरफ़ धार्मिक चढ़ावे की चोरी। भारतीय जनता पार्टी और उसके लोग ऐसा कर रहे हैं। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया। यह नोटिस राम जन्मभूमि मंदिर में दान के कथित दुरुपयोग की स्वतंत्र और कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं पर जवाब मांगने के लिए जारी किया गया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहन की बेंच ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) को भी निर्देश दिया कि वह कोर्ट के सामने स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। कोर्ट ने SIT के गठन के बारे में भी जानकारी मांगी है।

# अग्निवीरों को मिल सकती है बड़ी सौगात स्थायी भर्ती का दायरा बढ़ाने पर विचार

अग्निपथ योजना के तहत सेना में परमानेंट अग्निवीरों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। वर्तमान में सिर्फ 25 फीसदी अग्निवीरों को सैन्य सेवाओं में आगे बढ़ाया जाता है। लेकिन अब अग्निवीरों को जल्द ही नई खुशखबरी मिल सकती है। माना जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद अग्निवारों की संख्या 75 फीसदी तक बढ़ाई जा सकती है।

दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बेहतर प्रदर्शन के बाद अग्निवीरों को ज्यादा समय तक रखने और परमानेंट की संख्या बढ़ाने को लेकर विचार शुरू हुआ था। कई मौकों पर अग्निवीरों ने अलग-अलग इलाकों में हालात को ज्यादा तेजी और प्रभावी ढंग से संभाला था। इसी को देखते हुए इनकी स्थायी संख्या बढ़ाने की जरूरत महसूस हुई ताकि सेनाओं में ज्यादा से ज्यादा युवा सैनिक बने रहें। रिपोर्ट्स की माने तो परमानेंट अग्निवीरों की संख्या बढ़ने को लेकर प्रस्ताव भेजा गया है। नौसेना की तरफ से सबसे अधिक 75% संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। वहीं थल सेना और वायु सेना में संख्या 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, अलग-अलग विभागों में यह संख्या अलग-अलग हो सकती है। जैसे- पैदल सेना और अन्य कॉम्बेक्ट आर्म्स के लिए अग्निवीरों को 70-75% तक रखने पर विचार चल रहा है। एयर डिफेंस, सिगनल्स और इंजीनियर्स जैसे विशेष रूप से प्रशिक्षित कर्मियों के लिए यह आंकड़ा 80% तक हो सकता है।

स्पेशल फोर्सेस के लिए 100% अग्निवीरों को रखने की बात चल रही है। स्पेशल फोर्सेस के लिए चयन उनकी परिवीक्षा अवधि के दौरान ही हो जाता है। हालांकि, अभी इसे लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है। अग्निपथ योजना 2022 में शुरू हुई थी और पहला बैच 2026 में कार्यकाल पूरा करेगा। माना जा रहा है कि इसी दौरान संख्या बढ़ाने को लेकर फैसला लिया जा सकता है। उनकी ट्रेनिंग, एक्सपीरियंस और चार साल में हासिल की गई एक्सपर्टीज के आधार पर परमानेंट किया जा सकता है। इसी के साथ अग्निवीरों की वैकेंसी बढ़ने की भी उम्मीद की जा रही है। कुछ रिपोर्ट्स से पता चलता है कि बीते साल में करीब 70 हजार अग्निवीर ट्रेनिंग में शामिल हुए हैं, जिनकी वैकेंसी आने वाले सालों में बढ़कर 90 हजार के पार तक पहुंच सकती है।

## अमेरिका में स्प्रिंग इनटेक, एडमिशन एक्सपर्ट से समझें पूरा प्रोसेस

अमेरिका में जिस तरह फॉल इनटेक एडमिशन के लिए पॉपुलर है, वैसे ही स्प्रिंग इनटेक में भी दाखिले के लिए खूब आवेदन किए जाते हैं। ये इनटेक खासतौर पर उन स्टूडेंट्स के लिए अच्छा है, जो फॉल में एडमिशन लेने से चूक गए या फिर जिनकी पढ़ाई अभी खत्म हुई है और अब वे तुरंत एडमिशन चाहते हैं। स्प्रिंग इनटेक में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए क्लास की शुरुआत जनवरी से होती है।अगर आप भी स्प्रिंग इनटेक में दाखिला लेने वाले हैं, तो इसके बाद आपको खूब सारे पेपरवर्क से जूझना पड़ेगा। ये कई लोगों को कंफ्यूज भी कर देता है। SEVIS, I-20, DS-160 जैसे कई सारे डॉक्यूमेंट्स के बारे में आपको खूब सुनने को मिलेगा, जो कंफ्यूजिंग भी लग सकता है। कई बार स्टूडेंट्स इन डॉक्यूमेंट्स को सही से समझ नहीं पाते हैं और समय पर वीजा आदि के लिए अप्लाई करने से रह जाते हैं। इससे उनका एडमिशन भी खतरे में आ जाता है। एक बार जब आप समझ जाते हैं कि हर डॉक्यूमेंट असल में क्या काम करता है, तो पूरी प्रक्रिया समझ में आने लगती है। यह असल में एक चेन की तरह है, एक डॉक्यूमेंट से अगला डॉक्यूमेंट जुड़ा होता है और हर डॉक्यूमेंट का मकसद अमेरिकी सरकार को कोई खास बात साबित करना होता है। ऐसे में आज हम स्टेप-बाय-स्टेप इस चेन के बारे में जानेंगे, ताकि आपको पता रहे कि किस डॉक्यूमेंट का क्या काम है और कैसे इन्हें लेकर कंफ्यूज होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, अब यहां सवाल उठता है कि अमेरिका में पढ़ाई से जुड़े इतने सारे डॉक्यूमेंट्स की जरूरत क्यों पड़ती है? अमेरिकी सरकार इन डॉक्यूमेंट्स के जरिए क्या समझना चाहती है? सरकार इन सभी दस्तावेजों के जरिए 3 प्रमुख चीजों के बारे में जानना चाहती है।

## ISSF शॉटगन वर्ल्ड कप में ट्रैप गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

## सबसे सफल भारतीय कप्तान हरमनप्रीत इंग्लैंड पर महिला टीम की ऐतिहासिक जीत

लॉर्ड्स में इंग्लैंड पर भारतीय महिला टीम की ऐतिहासिक जीत सिर्फ एक यादगार मुकाबला नहीं रही, बल्कि कप्तान हरमनप्रीत कौर के करियर का भी सुनहरा अध्याय बन गई। इस जीत के साथ हरमनप्रीत ने भारतीय महिला टेस्ट क्रिकेट में ऐसा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया, जो उनसे पहले कोई कप्तान हासिल नहीं कर सका था। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 270 रन से हराकर इतिहास रच दिया। क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले इस मैदान पर पहली बार महिला टेस्ट खेला गया और भारत ने इस ऐतिहासिक मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज मिताली राज का बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत हरमनप्रीत कौर की टेस्ट कप्तान के रूप में चौथी जीत रही। उन्होंने केवल पांच टेस्ट मैचों में कप्तानी करते हुए चार मुकाबले जीते हैं, जो किसी भी भारतीय महिला कप्तान द्वारा सबसे ज्यादा टेस्ट जीत का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले यह रिकॉर्ड मिताली राज के नाम था, जिन्होंने आठ टेस्ट में कप्तानी करते हुए तीन जीत दर्ज की थीं। हरमनप्रीत ने इस मुकाबले में कप्तानी के साथ-साथ बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। पहली पारी में उन्होंने 58 रन बनाए, जिसकी बदौलत भारत ने 285 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 105 रन की बढ़त दिलाई और अंत में 270 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत में यास्तिका भाटिया, स्मृति मंधाना और तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का प्रदर्शन भी बेहद अहम रहा।

## 14 जुलाई को वनडे सीरीज के आगाज के साथ विराट कोहली और रोहित शर्मा वापस आ गए

इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई को वनडे सीरीज के आगाज के साथ विराट कोहली और रोहित शर्मा भी वापस आ गए हैं और इस बार जसप्रीत बुमराह भी खेलेंगे। मेजबान टीम के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज गंवाने के बाद अब भारतीय टीम मैनेजमेंट ज्यादा सतर्क होगा, ताकि जीत की पटरी पर लौटा जा सके। ऐसे में हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल को बेस्ट प्लेइंग इलेवन चुननी होगी। आइये इस मुकाबले से पहले भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन पर एक नजर डालते हैं। किसे बेंच पर इंतजार करना होगा और किसको मौका मिल सकता है?पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और मौजूदा कप्तान शुभमन गिल का बतौर सलामी बल्लेबाज उतरना तय है। तीसरा नंबर विराट कोहली के लिए फिक्स है तो चौथे नंबर पर उपकप्तान श्रेयस अय्यर के लिए तय है। जबकि पांचवें नंबर पर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल की जगह भी पक्की मानी जा रही है। इस तरह पांच नंबर तक तो भारत की बल्लेबाजी तय है, लेकिन असली पेच इसके बाद फंसेगा। असल दुविधा नंबर-6 को लेकर है। अगर इस नंबर पर ईशान किशन को उतारा जाता है तो फिर भारत को पांच गेंदबाजों के साथ उतरना होगा। गौतम गंभीर और शुभमन गिल ऐसा कतई नहीं चाहेंगे। ऐसे में नंबर-6 के लिए मीडियम पेस ऑलराउंडर शिवम दुबे को तरजीह दी जा सकती है। वहीं, नंबर-7 को स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को उतारा जा सकता है। जबकि अन्य चार गेंदबाजी विकल्प कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, गुरनूर बराड़ और अर्शदीप सिंह हो सकते हैं। ऐसे में गौतम गंभीर के चहेते माने जाने वाले वाशिंगटन सुंदर को बाहर बैठना पड़ सकता है।

## रायन ब्लेनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यादगार जीत अपने नाम कर ली

अटलांटा में खेली गई नैस्कार कप सीरीज की रेस रोमांच, बारिश और रणनीति से भरपूर रही। लंबे मौसम व्यवधान के बावजूद टीम पेंस्के के चालक रायन ब्लेनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यादगार जीत अपने नाम कर ली। पोल पोजीशन से शुरुआत करने वाले ब्लेनी ने पूरी रेस में दबदबा बनाए रखा और अतिरिक्त समय तक पहुंचे मुकाबले में अंतिम लैप पर शानदार नियंत्रण दिखाकर पहला स्थान हासिल किया हैमौजूद जानकारी के अनुसार बारिश और बिजली गिरने की आशंका के कारण रेस करीब तीन घंटे नौ मिनट तक रुकी रही। इसके बाद मुकाबला दोबारा शुरू हुआ और देर रात समाप्त हुआ। मौसम की चुनौती के बावजूद ब्लेनी का प्रदर्शन पूरे समय प्रभावशाली रहा और उन्होंने दोनों शुरुआती चरणों में भी जीत दर्ज की है। गौरतलब है कि ब्लेनी ने रेस के दौरान कुल 171 लैप में बढ़त बनाए रखी। हालांकि समाप्ति से 29 लैप पहले उनकी कार दीवार से हल्के तौर पर टकरा गई थी। इस दौरान कार के दाहिने हिस्से को नुकसान पहुंचने की आशंका थी और ब्लेनी ने अपनी टीम को तेज कंपन महसूस होने की जानकारी भी दी थी। इसके बावजूद टीम ने कार को पिट में बुलाने के बजाय ट्रैक पर बनाए रखने का फैसला किया, जो अंत में पूरी तरह सफल साबित हुआ है। अंतिम लैप में ब्लेनी को बुब्बा वालेस और क्रिस्टोफर बेल से कड़ी चुनौती मिली। तीनों चालकों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, लेकिन ब्लेनी ने संयम बनाए रखा और सबसे पहले फिनिश लाइन पार कर जीत दर्ज की। क्रिस्टोफर बेल दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कार्सन होसेवार और टाइ गिब्स भी शीर्ष चार में शामिल रहे। बता दें कि बुब्बा वालेस ने शुरुआत में दूसरा स्थान हासिल किया था, लेकिन रेस के बाद अधिकारियों ने उन्हें दोहरी पीली रेखा के नीचे से ओवरटेक करने का दोषी पाया। इस नियम उल्लंघन के कारण उन्हें दंड दिया गया और उनकी रैंकिंग गिरकर 29वें स्थान पर पहुंच गई।

खेती ने बदली तकदीर

# क्यों वियतनाम के किसान हैं अमीर?

जब खेती की बात होती है तो अक्सर लोगों के मन में यही सवाल आता है कि क्या खेती से अच्छी कमाई की जा सकती है? भारत समेत कई देशों में किसान मौसम, बढ़ती लागत और फसलों के कम दाम की वजह से परेशान रहते हैं. लेकिन दूसरी ओर एक ऐसा देश भी है, जहां खेती ने लाखों किसानों की जिंदगी बदल दी. यह देश है वियतनाम. आज वियतनाम के किसान सिर्फ अपने देश के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई देशों के लिए भी अनाज, कॉफी, काजू और काली मिर्च पैदा करते हैं. यही वजह है कि वहां के कई किसानों की आय पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ गई है. हालांकि यह कहना सही नहीं होगा कि वहां का हर किसान अमीर है, लेकिन खेती के बेहतर तरीकों ने बड़ी संख्या में किसानों की आर्थिक स्थिति जरूर मजबूत की है. ⊙

एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की चोटी पर कपल का खतरनाक इश्क

# 1,454 फीट की ऊंचाई पर प्रपोजल

किसी ने समुद्र किनारे प्रपोज किया, किसी ने बर्फीले पहाड़ों पर. लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि किसी ने 1,454 फीट (443 मीटर) की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे मशहूर इमारतों में से एक की चोटी पर घुटनों के बल बैठकर अपने पार्टनर को शादी के लिए प्रपोज किया हो? सुनने में यह किसी हॉलीवुड फिल्म का सीन लगता है, लेकिन यह हकीकत है. यही वजह है कि इस वक्त सोशल मीडिया पर एक वीडियो करोड़ों लोगों का ध्यान खींच रहा है. वीडियो में एक कपल मौत को मात देता नजर आता है और अगले ही पल प्यार का इजहार करता है. लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती. इस रोमांटिक पल के कुछ ही देर बाद दोनों पुलिस की गिरफ्त में पहुंच जाते हैं. तो आखिर ये कपल कौन है? इन्होंने ऐसा जोखिम क्यों उठाया? और क्या सिर्फ एक प्रपोजल के लिए किसी की जान दांव पर लग सकती है? वीडियो में नजर आने वाले कपल हैं 33 वर्षीय एंजेला निकोलाउ और 32 वर्षीय इवान बीर्कुस (वान्या). अगर आप सोशल मीडिया पर एडवेंचर वीडियो देखते हैं, तो संभव है कि आपने इन दोनों को पहले भी देखा हो. पिछले 10 साल से दोनों दुनिया की सबसे ऊंची इमारतों, क्रेनों और टावरों पर बिना किसी सेफ्टी हार्नेस के चढ़ते रहे हैं. ⊙

रास्ता चुन लेते हैं. इन दिनों ऐसा ही एक ठगी का मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया पर कैंसर पीड़ित बनकर लोगों की सहानुभूति हासिल करने वाली मिस्र की लाख रुपये की मदद जुटाई, जबकि उन्हें कभी कैंसर था ही नहीं.

गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, डोनिया फौद सोशल मीडिया पर लगातार ऐसे वीडियो शेयर करती थीं, जिनमें वह खुद को को शक होने लगा, जब उनकी महंगी लाइफस्टाइल से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने लगे. डोनिया फौद डोनेशन में मिले पैसों से उन्होंने कार खरीदी, फ्लैट लिया और कई लग्जरी से जुड़ा कोई रिकॉर्ड नहीं मिला. रिपोर्ट में न कीमोथेरेपी का जिक्र था और न ही रेडिएशन का. बताया गया कि डोनिया को सिर्फ कुछ सामान्य स्त्री रोग संबंधी दिक्कतें थीं, जिनका इलाज चल रहा था. ⊙

के मुताबिक घूमना, हर चीज अनुमानित और व्यवस्थित, लेकिन कुछ कमी लगती थी भारत में ट्रैफिक है, प्रदूषण है, शोर है, भीड़ है, अनिश्चितता है... फिर भी यहां कुछ है जो वहां नहीं मिलता. ⊙

# 'धमाल 4' Vs 'वेलकम 3' के बीच फंसी 'अल्फा'

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों तीन बड़ी फिल्मों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिल रहा है. 4 जुलाई 2026 को रिलीज हुई 'वेलकम टू द जंगल' पहले से ही टिकट खिड़की पर कब्जा जमाए बैठी है. वहीं 10 जुलाई 2026 को रिलीज हुई अजय देवगन की 'धमाल 4' ने आते ही कमाई की रफ्तार तेज कर दी है. इसके बीच 3 जुलाई को रिलीज हुई 'अल्फा' भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही है, जिससे बॉक्स ऑफिस की जंग और दिलचस्प हो गई है. धमाल 4' ने पहले दिन 14 करोड़ रुपये से ओपनिंग की और दूसरे दिन करीब 22.50 करोड़ रुपये बटोर लिए. यानी सिर्फ दो दिनों में फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 36.50 करोड़ रुपये पहुंच गया. फैमिली ऑडियंस का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है और अगर रविवार को भी यही रफ्तार बनी रहती है तो फिल्म आराम से 55 करोड़ रुपये से ज्यादा का ओपनिंग वीकेंड निकाल सकती है. अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी की कॉमिक टाइमिंग दर्शकों को खूब पसंद आ रही है. वहीं 'वेलकम टू द जंगल' दूसरे हफ्ते में भी मजबूती से डटी हुई है. फिल्म ने दूसरे शुक्रवार 4.95 करोड़, शनिवार 7.92 करोड़, रविवार 10.44 करोड़, सोमवार 2.78 करोड़, मंगलवार 3.21 करोड़, बुधवार 2.28 करोड़ और गुरुवार 2.11 करोड़ रुपये कमाए. दूसरे हफ्ते का कुल कलेक्शन 33.69 करोड़ रुपये रहा. इसके साथ ही फिल्म का कुल इंडिया नेट कलेक्शन 128.90 करोड़ रुपये पहुंच चुका है. साफ है कि नए-नवेले मुकाबले के बावजूद 'वेलकम टू द जंगल' अभी भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है. फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन समेत 32 स्टार कास्ट की फौज शामिल है. अगर 'अल्फा' की बात करें तो फिल्म की शुरुआत ठीक-ठाक रही. आलिया भट्ट और शरवरी स्टारर इस फिल्म ने पहले वीकेंड में करीब 33 करोड़ रुपये का इंडिया नेट बिजनेस किया था, जबकि वर्ल्डवाइड कमाई 79 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच गई थी. हालांकि अब 'धमाल 4' की एंट्री के बाद 'अल्फा' के सामने स्क्रीन और दर्शकों दोनों की चुनौती बढ़ गई है. और अब ये दर्शकों को खींच पाने में स्ट्रगल करती दिख रही हैं. आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म अपनी पकड़ बनाए रख पाती है या नहीं. फिलहाल अगर बॉक्स ऑफिस की रेस देखें तो कुल कमाई के मामले में 'वेलकम टू द जंगल' सबसे आगे है. वहीं 'धमाल 4' ने सिर्फ दो दिनों में शानदार शुरुआत करके यह साफ कर दिया है कि आने वाले दिनों में वह बड़ी चुनौती बनने वाली है. अब असली खेल सोमवार से शुरू होगा, जब पता चलेगा कि दर्शकों का प्यार किस फिल्म के साथ सबसे लंबे समय तक बना रहता है.

जिम ने रद्द की 3 साल की मेंबरशिप, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

# पसीने की 'गंध' पर छिड़ी जंग

चीन में ज्यादा पसीना और शरीर की गंध के कारण एक शख्स की तीन साल की जिम मेंबरशिप रद्द कर दी गई. जिम के इस फैसले और इंसान की गरिमा बनाम साथी ग्राहकों की सुविधा को लेकर सोशल मीडिया अब दो धड़ों में बंट गया है.

अगर आपने तीन साल की जिम मेंबरशिप ली हो और एक दिन अचानक मैसेज आए कि 'अब आप यहां वर्कआउट नहीं कर सकते', तो आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या होगी? चीन में एक शख्स के साथ ऐसा ही हुआ और वजह जानकर सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंट गया. सोचिए, आपने पूरे तीन साल की जिम मेंबरशिप ली हो. रोज एक्सरसाइज करते हों, फिटनेस पर मेहनत कर रहे हों और एक दिन अचानक मोबाइल पर मैसेज आए- अब आप जिम मत आइए. न कोई झगड़ा, न फीस का विवाद और न ही कोई नियम तोड़ने का आरोप. वजह सिर्फ इतनी कि आपके शरीर से आने वाली गंध से दूसरे लोग असहज महसूस कर रहे हैं. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के हांगझोउ शहर में रहने वाले एक शख्स के साथ ऐसा ही हुआ. यह मामला सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की राय दो हिस्सों में बंट गई है. स्थानीय मीडिया के मुताबिक, शी (Shi) नाम के शख्स ने मई 2025 में करीब 6,388 युआन देकर तीन साल की जिम मेंबरशिप खरीदी थी.

उनकी सदस्यता अप्रैल 2028 तक चलनी थी.लेकिन 20 जून को उन्हें जिम की ओर से एक मैसेज मिला. उसमें लिखा था कि काफी सोच-विचार के बाद उनकी सदस्यता खत्म करने का फैसला लिया गया है. साथ ही बची हुई अवधि के पैसे वापस करने की बात भी कही गई.बाद में उन्हें 3,888 युआन लौटाए गए और दूसरे जिम की तीन महीने की मेंबरशिप भी ऑफर की गई. जिम प्रबंधन का कहना है कि कई ग्राहकों ने बार-बार शिकायत की थी कि वर्कआउट के दौरान शी के शरीर से तेज गंध आती है, जिससे उन्हें परेशानी होती है. ⊙

### फिटनेस बनाम सुविधा

यह मामला अब सिर्फ एक सदस्य और जिम के बीच का विवाद नहीं रह गया है. इसने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि जब किसी एक व्यक्ति की परेशानी और बाकी लोगों की सुविधा आमने-सामने आ जाए, तो सही फैसला क्या होना चाहिए? यही वजह है कि चीन की यह घटना अब दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है. ⊙

## कबाड़ से जुगाड़, हर महीने 3 लाख की कमाई

क्या सिर्फ पार्ट टाइम काम करके हर महीने 3 लाख रुपये कमाए जा सकते हैं? सुनने में यह मुश्किल जरूर लगता है, लेकिन ब्रिटेन की रहने वाली 23 साल की स्कारलेट नेशन का दावा है कि वह ऐसा कर रही हैं. खास बात यह है कि इसके लिए वह कोई हाई-प्रोफाइल नौकरी नहीं करतीं, बल्कि पुराने कपड़े खरीदकर उन्हें दोबारा बेचने का काम करती हैं. इस कमाई की वजह से उनके पास पढ़ाई, दोस्तों के साथ घूमने और ट्रैवल करने के लिए भी भरपूर समय बच जाता है. ⊙

# अब लखनऊ से कानपुर सिर्फ 45 मिनट, एक्सप्रेसवे जनता को समर्पित

# अब 45 मिनट में लखनऊ से कानपुर

**लखनऊ।**
लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन

- रक्षामंत्री, केन्द्रीय सड़क मंत्री मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन
- 2018 में बनी योजना, 1648 दिनों की मेहनत के बाद सपना साकार

गडकरी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के सड़क नेटवर्क के विस्तार को लेकर कई बड़ी घोषणाएं कीं। सोमवार को लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवें का रक्षामंत्री,केन्द्रीय सड़क मंत्री,मुख्यमंत्री ने उद्घाटन किया। गडकरी ने कहा, प्रदेश के लिए 50 से 60 हजार करोड़ रुपये की नई सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जबकि अगले दो वर्षों में उत्तर प्रदेश में पांच लाख करोड़ रुपये के सड़क विकास कार्य किए जाएंगे। अमेरिका इसलिए अमीर है, क्योंकि वहां की सड़कें अच्छी हैं। योगीजी के साथ जब पहली बार यहां आया था, तब बहुत घोषणाएं की थीं। एक मंत्री ने पूछा था कि आपने इतना बोला है, वह पूरा होगा या नहीं। मैंने डंके की चोट पर कहा था कि जो कहूंगा, वह करके दिखाऊंगा। मैंने राजनीति के 45 साल के करियर में कभी झूठा आश्वासन नहीं दिया। हमें खुशी है कि यूपी देश का दिल है। यूपी प्रगतिशील होगा तो देश की भी तरक्की होगी।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तेजी से विकसित हो रहे आधुनिक बुनियादी ढांचे की दिशा में 13 जुलाई सोमवार को एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। प्रदेश की राजधानी लखनऊ और औद्योगिक नगरी कानपुर को जोड़ने वाला 63 किलोमीटर लंबा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे (नेशनल एक्सप्रेसवे-6) उद्घाटन के बाद जनता को

### एलिवेटेड रोड पर सहमति

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में बढ़ते ट्रैफिक का मुद्दा उठाते हुए एयरपोर्ट से शहीद पथ होते हुए आउटर रिंग रोड तक करीब 23 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड की मांग की। उन्होंने कहा कि इस एलिवेटेड कॉरिडोर पर मेट्रो चलाने की भी व्यवस्था होनी चाहिए।इस पर नितिन गडकरी ने मौके पर ही सहमति जताते हुए डीपीआर तैयार करने और इसी वर्ष दिसंबर से पहले भूमिपूजन कराने का भरोसा दिया। आपने बहुत कुछ दिया, आज भी मांगूंगा तो आप मना नहीं करेंगे। लखनऊ में ट्रैफिक की बड़ी समस्या है। लखनऊ एयरपोर्ट से शहीद पथ से होते हुए आउटर रिंग रोड पर करीब 23 किमी के एलिविटेड रोड के लिए स्वीकृति दें। नितिन गडकरी ने क्षण भर के लिए भी देर नहीं की, उन्होंने कह दिया मंजूर। एलिविटेड रोड के ऊपर एक मेट्रो भी चलनी चाहिए। इसकी भी उन्होंने स्वीकृति उन्होंने दे दी है। लखनऊ से सीतापुर के लिए सिक्सलेन मार्ग और किसान पथ पर सर्विस रोड भी बनाई जाएगी।

## यूपी में 181 पीसीएस अधिकारियों के तबादले

**लखनऊ।** प्रदेश सरकार ने सोमवार को बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत 181 पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। महज 12 घंटे के भीतर राज्य में कुल 363 पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। शासन के आदेश के तहत कई तहसीलों के एसडीएम बदले गए हैं, जबकि कुछ अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी तबादला सूची में बड़ी संख्या में एसडीएम को एक जिले से दूसरे जिले में भेजा गया है, जबकि कई अधिकारियों को विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों और अन्य संस्थानों से हटाकर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। तबादलों के तहत अयोध्या के एसडीएम राम प्रसाद त्रिपाठी को मथुरा भेजा गया है, जबकि मिर्जापुर के एसडीएम संजीव कुमार यादव को अयोध्या की जिम्मेदारी दी गई है। बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण में विशेष कार्याधिकारी लालकृष्ण को अयोध्या का एसडीएम बनाया गया है। कुशीनगर के एसडीएम विनोद कुमार गुप्ता का भी तबादला अयोध्या किया गया है। बाराबंकी, सीतापुर, गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ, हरदोई, बुलंदशहर और अन्य जिलों में भी कई अधिकारियों की नई तैनाती की गई है।

- 12 घंटे में 363 अफसर इधर से उधर
- कई जिलों के एसडीएम बदले

## 'अपराधियों के लिए यूपी में कोई जगह नहीं'

**लखनऊ।**
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास

- जनता दर्शन में बोले सीएम योगी

पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए आम लोगों की शिकायतें सुनीं। कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों को धमकाने, जमीनों पर अवैध कब्जा करने और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने अपराध और अवैध कब्जे से जुड़े मामलों की जांच में तेजी लाते हुए पीड़ितों को समयबद्ध (समय सीमा के भीतर) न्याय दिलाने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन के दौरान अवैध कब्जे और धोखाधड़ी से संबंधित कई गंभीर शिकायतें मुख्यमंत्री के सामने आईं। इस दौरान गाजियाबाद, मेरठ और नोएडा से आए कुछ पीड़ितों ने एक बिल्डर पर बेहद गंभीर आरोप लगाया। पीड़ितों का कहना था कि उक्त बिल्डर ने एक ही फ्लैट को कई अलग-अलग लोगों को बेच दिया और उसकी रजिस्ट्री भी करा दी। मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इस पर विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित बिल्डर के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए और हर हाल में पीड़ितों को न्याय दिलाया जाए।

## भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आज बहराइच, लखीमपुर प्रवास पर रहेंगे

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी आज 14 जुलाई को बहराइच व लखीमपुर के प्रवास पर रहेंगे। पंकज चौधरी सुबह 08:10 बजे ग्राम विशनापुर, विकास खंड, मिहीपुरवा बहराइच में करण सिंह थारू के परिवार से भेंट करेंगे। पंकज चौधरी सुबह 10:25 बजे ढखेरवा चौराहा निघासन, लखीमपुर में बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके पश्चात सुबह 11:15 बजे शारदा बैराज, श्रीनगर, लखीमपुर में चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे तथा सुबह 11: 45 बजे नवभारत स्कूल प्रांगण, श्रीनगर, लखीमपुर में वृक्षारोपण करेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दोपहर 12:30 बजे गोल्डन स्कवायर मैरिज लॉन, लखीमपुर में आयोजित जिला कार्यसमिति बैठक को संबोधित करेंगे, वहीं दोपहर 01:15 बजे मीडिया से संवाद करेंगे।

## 'नगर निगम अफसरों की लापरवाही से गई लालाराम की जान'

**टीवी भारतवर्ष लखनऊ**

लखनऊ में अंडरग्राउंड नाले की सफाई के दौरान हुई कर्मचारी की मौत के मामले में नगर निगम के अधिकारियों पर लापरवाही के आरोप लगे हैं। सफाई कर्मियों का आरोप है कि नालों की सफाई के दौरान नगर निगम के अधिकारी अनदेखी कर रहे हैं। सिर्फ कागजों में गुणवत्तापरख काम कर रहे हैं। ग्राउंड पर कुछ नहीं हो रहा है। नालों की सफाई के दौरान नगर निगम की तरफ सुरक्षा मानकों को लेकर मॉनिटरिंग नहीं की जाती है। सबकुछ ठेकेदार के भरोसे छोड़ दिया जाता है। लालाराम को भी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के अंडरग्राउंड नाले में उतारा गया था। उसकी मौत के बाद भी शहर में बिना सुरक्षा उपकरण के नालों की सफाई कराई जा रही है। स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल के अनुसार, मैनहोल या सीवर की सफाई से पहले मानक प्रक्रिया के तहत परीक्षण टेस्टिंग की तैयारी के लिए कम से कम तीन मैनहोल के ढक्कन खोले जाते हैं। इसके बाद लाइन में ताजी ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए एक सक्शन पंप का उपयोग किया जाता है। इसके बाद लाइन के अंदर प्रवेश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग करके ऑक्सीजन की रीडिंग ली जाती है। इसके साथ ही यातायात में व्यवधान कम हो इस लिए रात में काम को करने की सलाह है। हालांकि, यह काम व्यस्त चौराहे पर दोपहर के समय में किया गया। स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल में बताए गए करीब सभी नियमों का चिनहट तिराहे पर नाला सफाई के दौरान उल्लंघन किया गया। बावजूद इसके अधिकारी सिर्फ कांट्रैक्ट नियमों का हवाला देकर पल्ला झाड़ते हुए नजर आए।

# खाटू श्याम के जयघोष से गूंजा बांगरमऊ, स्थापना दिवस पर निकली भव्य निशान यात्रा

**श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत, मंदिर में विशेष पूजा, भजन संध्या और भंडारे का हुआ आयोजन**

उन्नाव। नगर के नौनिहालगंज स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर के स्थापना दिवस पर सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर भव्य निशान यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हाथों में खाटू श्याम के पावन निशान लेकर भजन-कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण किया। पूरे मार्ग में ष्हारे के सहारे, खाटू श्याम हमारेष् के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

निशान यात्रा का शुभारंभ मोहल्ला चैघड़ा स्थित पंडित सुमित कुमार द्विवेदी के आवास पर वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके बाद श्रद्धालु निशान लेकर फूलमती माता मंदिर, संकटा देवी मंदिर, मां भुवनेश्वरी मंदिर और हनुमान मंदिर होते हुए श्री खाटू श्याम मंदिर पहुंचे।

यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर भक्तों का स्वागत किया। जगह-जगह शीतल जल एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ यात्रा में भाग लिया और भजन-कीर्तन में शामिल होकर बाबा श्याम की भक्ति में सराबोर रहे।

मंदिर परिसर पहुंचने पर बाबा खाटू श्याम का विशेष श्रृंगार, पूजा-अर्चना और महाआरती संपन्न हुई। इसके बाद आयोजित भजन संध्या में भजन गायकों ने बाबा श्याम के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन पर श्रद्धालु देर तक झूमते रहे। निशान यात्रा में नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक विमल द्विवेदी, शशिकांत पांडेय, राहुल पांडेय, आशीष मिश्रा, राज द्विवेदी, दीपु पांडेय, सभासद आशीष कुमार, संतोषी माता मंदिर के पुजारी सक्षम शुक्ला, बाला राव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन भंडारे के साथ हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

# नगर पालिका के स्टोर का ताला तोड़ने का आरोप, कर्मचारियों पर चोरी की आशंका

**दिनदहाड़े स्टोर रूम में घुसकर कार के पुर्जे निकालने का आरोप, वीडियो बना, ईओ ने दिए जांच के आदेश**

उन्नाव।नगर पालिका परिषद की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। हरदोई मार्ग स्थित पुरानी पानी टंकी परिसर में बने नगर पालिका के स्टोर रूम का दिनदहाड़े ताला तोड़े जाने और वहां रखे सामान से छेड़छाड़ किए जाने का आरोप नगर पालिका के ही कर्मचारियों पर लगा है। घटना के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले की शिकायत मिलने पर अधिशासी अधिकारी ने जांच के आदेश दिए हैं।

जलकल विभाग के पंप अटेंडेंट चंद्र प्रकाश ने अवर अभियंता जलकल को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि 12 जुलाई की शाम करीब छह बजे नगर पालिका कर्मचारी रामजी और बालमुकुंद ने पहले पानी का टैंकर और ट्रैक्टर स्टोर रूम के सामने खड़ा कराया, ताकि अंदर की गतिविधियां बाहर से दिखाई न दें। इसके बाद दोनों ने स्टोर रूम का ताला तोड़ दिया।

आरोप है कि ताला तोड़ने के बाद दोनों वहां खड़ी एक ऑल्टो कार के कीमती पुर्जे निकालने लगे। उस समय कार में राकेश गुप्ता भी मौजूद थे। इसी बीच स्टोर रूम से आवाज सुनकर पंप अटेंडेंट चंद्र प्रकाश मौके पर पहुंच गया। उसे देखते ही आरोपितों ने कथित रूप से धक्का दिया और वहां से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान मौजूद कुछ कर्मचारियों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बना लिया, जिसे जांच में अहम साक्ष्य माना जा रहा है। घटना के बाद नगर पालिका परिसर में कर्मचारियों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। सरकारी स्टोर की सुरक्षा व्यवस्था और विभागीय निगरानी पर भी सवाल उठ रहे हैं। नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी गुंजन गुप्ता ने बताया कि अवर अभियंता को स्टॉक रजिस्टर के आधार पर स्टोर में रखे सामान का मिलान करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि जांच में सामान की चोरी या कमी की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराकर विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

## घर के बाहर खेल रही मासूम से छेड़छाड़, पॉक्सो व एससी-एसटी एक्ट में केसय आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) हसनगंज उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र मोहान नगर पंचायत के मोहल्ले में शनिवार शाम छः बजे घर के बाहर खेल रही आठ वर्षीय बच्ची के साथ छेड़छाड़ ,पास्को एससी एसटी एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मोहान नगर पंचायत के एक मोहल्ले में इरशाद के घर में किराए पर रहने वाले लखीमपुर खीरी जिले के शारदा नगर थाना क्षेत्र बाबू पुरवा गांव निवासी आरिफ इब्राहिम 48 वर्ष शनिवार देर शाम छः बजे आठ वर्षीय बच्ची को अपने घर के अंदर खींचकर ले जाने लगा। बच्ची किसी तरह उसके चंगुल से छूटकर घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन, मोहान नगर पंचायत के चेयरमैन समरजीत यादव और मोहल्ले के लोग मोहान पुलिस चैकी पहुंचे। पिता का आरोप है कि वहां एक घंटे तक कोई पुलिसकर्मी नहीं मिला, जिससे लोगों में नाराजगी फैल गई। उधर मामले की जानकारी नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक विमल द्विवेदी को मिलते ही सीओ सहित कोतवाल से घटना की जानकारी लेकर आरोपी पर कार्रवाई की मांग की, पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर पास्को एससी एसटी एक्ट,छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

## मोबाइल पर बात कर घर से निकला युवक, सुबह आम के बाग में फंदे से लटका मिला शव

उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के चक्कुसेहरी गांव में सोमवार सुबह एक युवक का शव आम के बाग में फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। गांव निवासी 22 वर्षीय मनोज पुत्र का रविवार रात करीब आठ बजे भोजन करने के बाद किसी से मोबाइल फोन पर बात हुई थी। इसके बाद वह घर से निकल गया, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश की, मगर कोई सुराग नहीं मिला।

## सफाई व्यवस्था को लेकर सभासद और इंचार्ज में तकरार, अभद्रता का आरोप

**वार्ड सभासद ने ईओ से की शिकायत, आर्यन ग्रुप के इंचार्ज को हटाने की मांग, जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन**

उन्नाव।नगर पालिका परिषद के वार्ड सिद्धार्थनगर के सभासद कृष्णा वाजपेई ने सफाई व्यवस्था को लेकर आर्यन ग्रुप के इंचार्ज कुलदीप दीक्षित पर अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज का आरोप लगाया है। सभासद ने अधिशासी अधिकारी (ईओ) को शिकायती पत्र देकर मामले की जांच कर संबंधित इंचार्ज को हटाने की मांग की है।

सभासद कृष्णा वाजपेई का आरोप है कि उन्होंने वार्ड में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने के

# सीएम योगी ने लॉन्च किया 35 करोड़ पौधारोपण अभियान

## 'एक पेड़ मां के नाम' बना जनआंदोलन का संकल्प

**मुख्यमंत्री ने भारतीय संस्कृति में प्रकृति के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में पृथ्वी को माता, नदियों को जीवनदायिनी और वृक्षों को जीवन का आधार माना गया है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि वृक्षारोपण हमारे लिए केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है।**

उत्तर प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से शनिवार को महावृक्षारोपण अभियान-2026 की शुरुआत की गई। इस वर्ष राज्य सरकार ने एक ही दिन में 35 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। अभियान की थीम "एक पेड़ मां के नाम" रखी गई है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान से प्रेरित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर स्थित गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि से पौधारोपण कर इस राज्यव्यापी अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया और प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की।इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता और प्रकृति की सेवा का एक पवित्र संकल्प है। उन्होंने कहा कि पेड़ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, जल संरक्षण और संतुलित पर्यावरण का आधार बनते हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने इसे प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम बताया।सीएम योगी ने बताया कि इस महाअभियान में 26 सरकारी विभाग समन्वय के साथ भाग ले रहे हैं। अभियान के तहत केवल पौधे लगाने तक ही सीमित नहीं रहा जाएगा, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर विकास वाटिकाओं की स्थापना, पवित्र त्रिवेणी पौधारोपण, मौलश्री जैसे पौधों का रोपण तथा किसानों को कार्बन क्रेडिट प्रमाण-पत्र वितरित करने जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाना है।मुख्यमंत्री ने भारतीय संस्कृति में प्रकृति के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में पृथ्वी को माता, नदियों को जीवनदायिनी और वृक्षों को जीवन का आधार माना गया है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि वृक्षारोपण हमारे लिए केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने परिवार के नाम पर कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाएं।इससे पहले 11 जुलाई को भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेशवासियों को इस महाअभियान से जुड़ने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि 35 करोड़ पौधों का लक्ष्य केवल संख्या नहीं, बल्कि हरित और विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प है। वहीं, इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी दिल्ली में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान की शुरुआत कर चुके हैं। राज्य सरकार का मानना है कि यदि प्रत्येक नागरिक पौधारोपण के साथ उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाए, तो यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा जनआंदोलन साबित हो सकता है।

## योगी सरकार ने विभागों को तय समय में काम पूरा करने के निर्देश

उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ-2027 की तैयारियों को लेकर अपनी रफ्तार तेज कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में प्रस्तावित विकास कार्यों और आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से परियोजनाएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि महाकुंभ से पहले श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और आयोजन पूरी तरह सुरक्षित एवं व्यवस्थित हो।समीक्षा के दौरान सड़क चौड़ीकरण, नए फ्लाईओवर, घाटों के सौंदर्यीकरण, सीवर और पेयजल व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन तथा अस्थायी आवास जैसी परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जिन परियोजनाओं का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, उन्हें तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की परेशानी न हो।सरकार ने प्रयागराज में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी विशेष योजना तैयार की है। महाकुंभ के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए रेलवे, सड़क परिवहन, पुलिस और नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया गया है। आधुनिक कंट्रोल रूम, सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन सर्विलांस और आपदा प्रबंधन व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा। पर्यटन विभाग और संस्कृति विभाग को धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास, स्वच्छता अभियान और शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का मानना है कि महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन क्षमता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर भी है।

## योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर दान विवाद पर सपा-कांग्रेस पर तीखा हमला बोला

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राम मंदिर के लिए मिले दान में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने सवाल किया कि वक्फ संस्थाओं द्वारा बड़े पैमाने पर ज़मीन पर क़ब्ज़े के मामले पर विपक्ष क्यों चुप रहा। प्रतापगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे दूसरे मुद्दों को नज़रअंदाज़ करते हुए चुनिंदा तौर पर हिंदू धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पास सिर्फ़ दो ही मुद्दे बचे हैं। आपने देखा होगा कि हाल के दिनों में उन्होंने भारत की सनातन आस्था पर हमला करने की कैसी शरारतपूर्ण कोशिशें की हैं। कांग्रेस दावा करती थी कि भगवान राम का कभी अस्तित्व ही नहीं था, या भगवान कृष्ण कभी हुए ही नहीं। देखिए, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी—जिन्होंने कभी अयोध्या में बाबरी ढांचे का समर्थन किया था और उस पर मगरमच्छ के आँसू बहाए थे—वे कैसे गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं। योगी ने कहा कि कांग्रेस ने राम के अस्तित्व को ही नकार दिया और समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियाँ चलवाईं। उन्हें आस्था के बारे में बात करने का क्या हक़ है—वे लोग जो हिंदू विरासत से जुड़े धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए तय फंड को कब्रिस्तान की चारदीवारी बनाने में खर्च कर देते थे? वे किस तरह की आस्था की बात कर रहे हैं?... यह देश अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के जाल में नहीं फँसेगा।राम मंदिर से जुड़े दान और वित्तीय प्रबंधन के आरोपों को लेकर विपक्ष के हमलों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि उस ज़मीन का क्या हुआ जिस पर वक़्फ़ ने क़ब्ज़ा कर लिया है? किसी खास नेता का नाम लिए बिना आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ पार्टियां मंदिर को लेकर विवाद खड़ा करने की कोशिश कर रही हैं, जबकि करोड़ों भक्तों के लिए इसका बहुत महत्व है। ये टिप्पणियां राम मंदिर से जुड़े चंदे और वित्तीय लेन-देन के आरोपों को लेकर चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच आई हैं। इस मुद्दे ने विपक्षी दलों को भाजपा सरकार और मंदिर ट्रस्ट को निशाना बनाने का नया मौका दे दिया है

## कानपुर में 4.98 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा

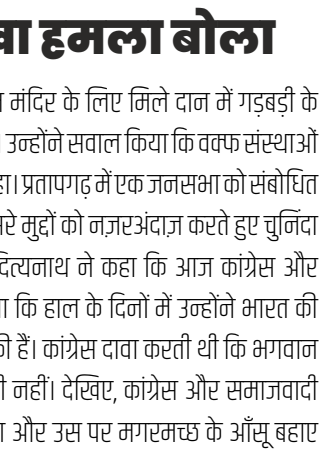

उत्तर प्रदेश पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने राज्य में हुई एक बड़ी ऑनलाइन ठगी का पर्दाफाश करते हुए करीब 4.98 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी का खुलासा किया है। इस मामले में लखनऊ से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश में कई राज्यों में दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह फर्जी निवेश योजनाओं और डिजिटल ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी कर रहा था।जांच एजेंसियों के अनुसार आरोपियों ने सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों से संपर्क किया। शुरुआत में निवेश पर अधिक मुनाफे का लालच देकर विश्वास जीता गया और बाद में बड़ी रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करवाई गई। जब पीड़ितों ने पैसा निकालने की कोशिश की तो उनसे टैक्स, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क के नाम पर अतिरिक्त रकम भी वसूली गई।साइबर सेल को कई राज्यों से शिकायतें मिलने के बाद जांच शुरू की गई। बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल ट्रांजैक्शन की जांच करते हुए पुलिस आरोपियों तक पहुंची। गिरफ्तार आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, लैपटॉप, बैंक दस्तावेज, एटीएम कार्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं। जांच में यह भी पता चला है कि गिरोह ने फर्जी कंपनियों और बैंक खातों का इस्तेमाल कर रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में कई अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। साइबर अपराधियों के नेटवर्क से जुड़े डिजिटल रिकॉर्ड की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है ताकि पूरे गिरोह का खुलासा किया जा सके। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान निवेश योजना या सोशल मीडिया पर मिलने वाले मुनाफे के झांसे में न आएं और संदिग्ध गतिविधि की तुरंत साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत करें।